हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 18 | लखनऊ शनिवार 03 मई 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

दिल्ली हाईकोर्ट सख्त, रूह अफजा मामले में बाबा रामदेव को पेश होने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी): योग गुरु बाबा रामदेव को रूह अफजा पर दिए गए विवादास्पद बयान को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त फटकार लगाई है। कोर्ट ने उन्हें चेतावनी देते हुए कहा कि वह अदालत की अवमानना कर रहे हैं और अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होना अनिवार्य है। अदालत ने रामदेव के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी करने की बात भी कही है। इससे पहले कोर्ट ने बाबा रामदेव को एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था, जिसमें उन्हें यह आश्वासन देना था कि वे भविष्य में हमदर्द लैबोरेट्रीज के खिलाफ कोई भी आपत्तिजनक बयान या विज्ञापन जारी नहीं करेंगे। कोर्ट ने इसके लिए उन्हें एक सप्ताह का समय दिया था और 1 मई को अगली सुनवाई तय की थी। हालांकि, रामदेव इस तारीख को भी अदालत में पेश नहीं हुए। यह विवाद 3 अप्रैल को उस समय शुरू हुआ जब बाबा रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए रूह अफजा के निमार्ता हमदर्द पर विवादास्पद टिप्पणी की।

जाति जनगणना पर मल्लिकार्जुन खरगे का केंद्र को सुझाव तय करें बजट और समयसीमा

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित अगली जनगणना में जाति गणना के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करने और समय सीमा तय करने का बृहस्पतिवार को सरकार से आग्रह किया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी...

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित अगली जनगणना में जाति गणना के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करने और समय सीमा तय करने का बृहस्पतिवार को सरकार से आग्रह किया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने जाति जनगणना की मांग की थी और इसके लिए पूरे देश में आंदोलन किया था और अब वे खुश हैं कि उन्होंने जो चाहा था वह हासिल कर लिया है। खरगे ने कहा, मैंने दो साल पहले जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने पर एक पत्र लिखा था पब तब वे सहमत नहीं हुए लेकिन अब सरकार ने जनगणना के साथ जातिगत गणना कराने का निर्णय लिया है। यह अच्छी बात है और हम पूरा सहयोग करेंगे लेकिन उन्हें (भाजपा) जवाहरलाल नेहरू पर अनावश्यक रूप से टिप्पणी नहीं करनी चाहिए कि वह इसके विरोध में थे आदि-आदि।" यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जन्म से ही आरक्षण के खिलाफ हैं और ऐसे लोग कांग्रेस पर जाति जनगणना के पक्ष में नहीं होने की बात कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अगर हम जाति जनगणना के खिलाफ होते तो क्या मैंने दो साल पहले पत्र लिखा होता या फिर हम इसके लिए कई आंदोलन किए होते? वे (भाजपा) लोगों के मन में भ्रम पैदा करने की कोशिश करते हैं और यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि केवल वे ही देश का कल्याण चाहते हैं। राजनीतिक उद्देश्यों के लिए वे हमेशा ऐसी चीजें करते हैं...।" केंद्र सरकार ने बुधवार को एक अहम फैसला लेते हुए आगामी जनगणना में जाति गणना को पारदर्शी तरीके से शामिल करने का फैसला किया। खरगे ने सरकार से घोषणा को पूरा करने का आग्रह करते हुए कहा कि आज तक सरकार ने इसके लिए पर्याप्त धन आवंटित नहीं किया है। उन्होंने प्रश्न किया कि बिना धन के सर्वेक्षण कैसे किया जा सकता है? खरगे ने कहा, उन्हें समय-सीमा भी बतानी चाहिए। अगर समय-सीमा नहीं होगी, तो इसमें बहुत समय लगेगा। इसलिए मेरा सुझाव है कि उन्हें इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए और दो-तीन महीने के भीतर या सरकार ने जो भी समय-सीमा तय की है और जितनी जल्दी हो सके उन्हें सर्वेक्षण करवाना चाहिए।" अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी प्रमुख ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें नहीं लगता कि जाति गणना की घोषणा आगामी बिहार चुनावों को ध्यान में रखकर की गई है। उन्होंने कहा, मैं राजनीति में नहीं जाना चाहता। जो भी अच्छा है मैं उसका स्वागत करता हूं और जो भी बुरा है मैं उसका विरोध करता हूं क्योंकि आखिरकार देश महत्वपूर्ण है, लोग महत्वपूर्ण हैं। चूंकि लोग जाति जनगणना चाहते थे, हमने इसकी मांग को लेकर आंदोलन किया... सभी विपक्षी दलों ने इसके लिए दबाव डाला और आंदोलन किया और राहुल गांधी इसमें आगे रहे। हमने यह हासिल कर लिया है और हम खुश हैं।"

पीएम मोदी ने किया वेव्स अवार्ड का एलान, कहा- भारत के पास कहानियों का खजाना

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समित आज 1 मई से मुंबई में इसकी शुरूआत हो चुकी है। बॉलीवुड कलाकार शाहरुख खान ने वेव्स समिट 2025 में मौजूद लोगों का स्वागत किया।

नई दिल्ली (एजेंसी): वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समित आज 1 मई से मुंबई में इसकी शुरूआत हो चुकी है। इस समिट में फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े दिग्गजों के शामिल होने की चर्चा है और इस समिट का उद्देश्य मीडिया एंटरटेनमें की क्षमता को बढ़ावा देना है। पीएम मोदी ने किया उद्घाटन बॉलीवुड कलाकार शाहरुख खान ने वेव्स समिट 2025 में मौजूद लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, हमारे विशिष्ट अतिथियों, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का विशेष स्वागत है। इसके बाद पीएम मोदी ने वेव्स समिट का उद्घाटन किया और भारतीय सिनेमा के योगदान का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि कॉन्टेंट से भारत को आगे ले जाने का प्लान है। पीएम ने की ए आर रहमान और राजमौली की तारीफ पीएम मोदी ने राज कपूर के बारे में जिक्र करते हुए बताया कि जापान में उनकी काफी ज्यादा लोकप्रियता थी। उन्होंने इस दौरान बाहुबली फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजमौली और ए आर रहमान का भी जिक्र किया और उनकी तारीफ की। भारतीय सिनमे के पांच दिग्गजों का डाक टिकट जारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सिनेमा के दिग्गज हस्तियां गुरु दत्त, पी. भानुमति, राज खोसला, ऋत्विक घटक और सलिल चौधरी पर स्मारक डाक टिकट लॉन्च किए। पीएम मोदी ने कहा भारत म्यूजिक का हब बन रहा है। इसमें तमाम संभावनाएं हैं। भारत के खाने की तरह भारत का गाना भी दुनियाभर में मशहूर होगा। पीएम मोदी ने कहा कि यह भारत में औरेंज इकॉनोमी का उदय काल है। कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, ये औरेंज इकॉनोमी की तीन धुरी है। उन्होंने कहा, "भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती है। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक इंडियन कंटेंट को सबटाइटल्स के साथ देख रहे हैं।"

मुस्लिमों के खिलाफ नफरत ना फैलाएं', विनय नरवाल के बर्थडे पर पत्नी हिमांशी की अपील

करनाल (एजेंसी): पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए भारतीय नौसेना के जवान लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के जन्मदिन पर उनकी पत्नी हिमांशी ने कहा कि मैं चाहती हूं कि पूरा देश उनके लिए प्रार्थना करे कि वह जहां भी हों, स्वस्थ और खुश रहें। इसके साथ ही हिमांशी ने कहा कि हम देश में शांति चाहते हैं। मैं किसी भी तरह की हेट नहीं चाहती। मैं नहीं चाहती की देश मुसलमान और कश्मीरियों के विरुद्ध जाए। आज एक मई को विनय नरवाल का जन्मदिन है। इस मौके पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिमांशी ने भी ब्लड डोनेट किया। विनय नरवाल का आज 26वां जन्मदिन है। परिवार के सदस्यों ने पहले इस दिन के लिए खास तैयारी की थी और सभी दोस्तों और रिश्तेदारों को पार्टी के लिए बुलाना था, लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। इसलिए परिवार के सदस्यों ने विनय की याद में थैलीसीमिया पीड़ितों के लिए रक्तदान शिविर लगाने का फैसला लिया। वहीं, विनय के स्वजन माता आशा, पिता राजेश नरवाल व दादा हवा सिंह ने भी एक सुर में शहीद का दर्जा देने की मांग दोहराई है। पिता ने कहा कि सरकार सोचे, हक बनता है तो मिलना चाहिए। विनय के पिता ने कहा है कि सरकार की ओर से जो भी फंड मिलेगा वे उसे उस संस्थान या संस्था को दान कर देंगे, जिसका नाम सरकार विनय के नाम पर रखेगी। एक भी पैसा वह अपने घर पर नहीं रखेंगे। विनय के ससुर सुनील कुमार ने कहा कि लोगों की आवाज है कि विनय को शहीद का दर्जा मिलना चाहिए। इधर शहर की सामाजिक संस्थाएं भी इस मांग को जोर शोर से उठाने लगी हैं। निफा संस्था ने सरकार से मांग रखी है कि विनय की श्रद्धांजलि सभा से पहले उसे शहीद का दर्जा देने का ऐलान किया जाए। आतंकी हमले में गई थी जान बता दें कि 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई थी। इनमें करनाल के नेवी अफसर विनय नरवाल भी शामिल थे। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल हरियाणा के करनाल जिले के रहने वाले थे। नरवाल की हाल ही में शादी हुई थी और वे हनीमून के लिए कश्मीर गए थे। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि 26 साल के नरवालकोच्चि में तैनात थे।

'आप सेना का मनोबल गिराना चाहते हैं?' पहलगाम हमले की न्यायिक जांच की मांग वाली याचिका पर एससी की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई थी, जिसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई है। अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि आपने मांग की है कि रिटायर्ड जज की अगुवाई में पहलगाम हमले के जांच हो। जज कब से ऐसे मामलों की जांच करने के एक्सपर्ट हो गए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखिए। कोर्ट ने कहा कि यह कठिन समय है और सभी को साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी। कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। बता दें, याचिका दाखिल कर ये मांग की गई थी कि पहलगाम हमले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई थी। एससी ने वकीलों की आलोचना की 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग करने वाली याचिका दायर करने वाले वकीलों की सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी आलोचना की है। जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटेश्वर सिंह की पीठ ने वकीलों से जिम्मेदार बनने को कहा है। पीठ ने कहा, "जिम्मेदार बनो। देश के प्रति तुम्हारा कुछ कर्तव्य है। क्या यही तरीका है, कृपया ऐसा मत करो। कब से एक एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ऐसे मुद्दों की जांच करने के लिए विशेषज्ञ बन गए हैं?" जस्टिस सूर्यकांत ने की ये अपील जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, "यह काफी महत्वपूर्ण समय है और देश के हर एक नागरिक ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ने के लिए हाथ मिलाया है। ऐसी कोई प्रर्थना मत करो जिससे किसी व्यक्ति का मनोबल गिरे। मुद्दे की संवेदनशीलता को देखें।" हालांकि कुछ देर की बहस के बाद वकीलों ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांग ली।

'राजनीतिक हथियार के रूप में न हो इसका इस्तेमाल', जातिगत जनगणना पर आरएसएस का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्र की मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की बात कही है। इसे लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने एक सधा हुआ रुख अपनाते हुए कहा है कि इसे 'राजनीतिक हथियार' के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, संघ ने केंद्र सरकार के दशकीय जनगणना के साथ जाति-आधारित गणना करने के फैसले पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन इस मुद्दे पर अपनी सतर्कता और संवेदनशीलता जाहिर की है। जाति के आधार पर विभाजन और भेदभाव का विरोध करता रहा है आरएसएस आरएसएस हमेशा से जाति के आधार पर विभाजन और भेदभाव का विरोध करता रहा है। हालांकि, संगठन का मानना है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए कोटा में उप-वर्गीकरण या क्रीमी लेयर जैसी व्यवस्थाओं को लागू करने से पहले सभी हितधारकों के साथ 'परामर्श और सहमति' बनाना जरूरी है। केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को जातिगत जनगणना का निर्णय लिया है, इससे एक दिन पहले पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मुलाकात हुई थी, जो इस मुद्दे पर संघ की सहमति की ओर इशारा करता है। जाति आधारित मुद्दे राष्ट्रीय एकता के लिए हैं महत्वपूर्ण आरएसएस अपनी 'सामाजिक समरसता' मुहिम के तहत हिन्दू समाज को एकजुट करने की दिशा में काम करता रहा है। संगठन का कहना है कि जातिगत गणना को 'पॉलिटिकल टूल' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। पिछले साल सितंबर में केरल के पलक्कड़ में मीडिया को संबोधित करते हुए फर के मुख्य प्रवक्ता सुनील अंबेकर ने कहा था कि जाति सबंधी मुद्दे संवेदनशील हैं और राष्ट्रीय एक्ता व अखंडता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा था, "इसे बहुत संवेदनशीलता के साथ संभाला जाना चाहिए, न कि चुनावी या राजनीतिक आधार पर।" जातिगत जनगणना की मांग पर आरएसएस प्रवक्ता ने तब यह स्पष्ट किया था कि आरएसएस को जाति डेटा संग्रह करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उन समुदायों और जातियों के कल्याण के लिए हो, जो पिछड़े हैं और जिन्हें विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा था, "यह डेटा पहले भी एकत्रित किया जाता रहा है, लेकिन इसका उपयोग केवल उन समुदायों के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि चुनावी राजनीतिक हथियार के रूप में।" फर के इस बयान को अब एक महत्वपूर्ण समर्थन के रूप में देखा जा रहा है, जिसने नरेंद्र मोदी सरकार को अपने वैचारिक आधार से किसी बड़े विरोध का सामना किए बिना इस दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता साफ किया। बिहार में जमीनी स्तर पर लागू जातिगत जनगणना और फर के राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन के साथ, यह प्रक्रिया अब भारत की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक नीतियों के साथ-साथ चुनावी विमर्श को नए सिरे से परिभाषित करने की ओर अग्रसर है।

जल, थल और वायु... अगर जंग हुई तो भारत के सामने कितनी देर टिकेगा पाकिस्तान? जानिए किस मोर्चे पर कौन आगे

सैन्य ताकतों में भारत का स्थान विश्व में पांचवें नंबर पर है। सैन्य ताकतों में पाकिस्तान से काफी आगे है भारत।

नई दिल्ली (एजेंसी): पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव है। आतंकियों ने कश्मीर के पाकिस्तान में पर्यटकों को निशाना बनाया था। इस हमले में 26 पर्यटकों की जान गई थी। इस घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए। भारत के एक्शन के बाद पाकिस्तान में हाहाकार मच गया है। पाकिस्तान की ओर से भारत को गीदड़भभकी दी जा रही है। हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि सैन्य मामले में पाकिस्तान भारत के आगे कहीं नहीं टिकता है। इस बात का अंदजा केवल ऐसे ही लग सकता कि भारत का सैन्य खर्च पाकिस्तान के मुकाबले 9 गुना ज्यादा है। आइए आपको बताते हैं कि आंकड़े क्या कहते हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने गत सोमवार को एक आंकड़ा पेश किया है। इससे पता लगता है कि सैन्य ताकत में पाकिस्तान भारत से कोसों दूर है। भारत का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को अभी अपने ऊपर काफी ध्यान देना होगा। SIPRI के आंकड़े बताते हैं कि भारत में 14.75 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी और 16.16 लाख अर्धसैनिक पुलिस कर्मी हैं। ये आंकड़े ऐसे समय पर सामने आए हैं, जब भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इसके अलावा भारत के पास 1,437 फिक्स्ड-विंग विमान, 995 हेलीकॉप्टर, 7,074 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन (एएफवी) और 11,225 तोपें हैं। 2025 के लिए रक्षा बजट 81 बिलियन डॉलर है। वहीं, इसके उलट पाकिस्तान के पास 2025 के लिए बहुत छोटा रक्षा बजट है, जो 10 बिलियन डॉलर है। उसके पास 6.6 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो भारत के आधे से भी कम है। पाकिस्तान के पास 2.91 लाख अर्धसैनिक पुलिस बल हैं। पाकिस्तान के पास 812 फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट, 322 हेलीकॉप्टर, 6,137 एएफवी और 4,619 तोपें हैं। हालांकि, SIPRI के आंकड़ों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान की एएफवी ताकत के बीच का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है। परमाणु हथियार में भारत पाकिस्तान से काफी आगे जानकारी दें कि पाकिस्तान हमेशा भारत को और अन्य देशों को परमाणु हमले की चेतावनी देता रहा है। हालांकि, उसको ये गीदड़भभकी देने से पहले समझना चाहिए कि भारत भी परमाणु हथियार संपन्न देश है। परमाणु प्रतिरोध के लिए भारत मुख्य रूप से भूमि-आधारित प्रक्षेपण मंच का उपयोग करता है। हालांकि, भारत हवा से भी परमाणु बम गिरा सकता है, और अपनी पनडुब्बी शक्ति का विकास कर रहा है। वहीं, पाक के पास भी जमीनी और हवाई दोनों तरह के परमाणु हथियार हैं। वहीं, पाक के पास छोटी और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं। हाल में ही पाकिस्तान ने पनडुब्बी से लॉन्च की जाने वाली परमाणु हथियार युक्त क्रूज मिसाइलों की मांग की है। सैन्य ताकतों पर सबसे ज्यादा पैसा खर्चा करने पांचवां देश है भारत ध्यान देने योग्य बात है कि भारत अपनी सेना और हथियारों पर भारी-भरकम पैसों का उपयोग करता है। वर्तमान में भारत दुनिया का पांचवां देश है जो अपने सैन्य ताकतों पर सबसे ज्यादा पैसा खर्चा करता है। वहीं, अगर टॉप 5 देशों पर नजर डालें तो पहले नंबर पर अमेरिका का नंबर आता है। दूसरे नंबर पर चीन, तीसरे नंबर पर आता है कि रूस और चौथे नंबर जर्मनी आता है। इस तरीके से भारत पांचवें स्थान पर आता है। बता दें कि वैश्विक सैन्य खर्चों पर इन पांच देशों की 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इनका कुल बजट 1635 डॉलर का है।

संपादकीय

सेना को खुली छूट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र बलों को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की 'अभियानगत पूरी छूट' है। प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों समेत शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की। यह बैठक पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा उठाए जाने वाले संभावित कदमों पर विचार किए जाने के बीच हुई। बुधवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई गई है, जो पहलगाम हमले के बाद सीसीएस की दूसरी बैठक होगी। सीसीएस की बैठक में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री शामिल होते हैं। सीसीएस की बुधवार 23 अप्रैल को हुई पहली बैठक में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई थी। उसी बैठक के बाद पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कम करने समेत कई कदमों की घोषणा की गई थी। इस बीच, पहलगाम हमले के बाद से पाकिस्तान संघर्ष विराम समझौते का लगातार उल्लंघन कर रहा है। मंगलवार को भी पाकिस्तान ने लगातार पांचवी रात समझौते का उल्लंघन किया। पाकिस्तान को माकूल जवाब देना जरूरी हो गया है। पहलगाम हमला हाल के वर्षों में किया गया सबसे घातक हमला है, जब मासूम पर्यटकों को आतंकवादियों ने निशाना बनाया। घटना से आहत देशवासी आतंकवादियों के आका पाकिस्तान पर हर सूरत में जवाबी कार्रवाई चाहते हैं। जिस तरह देशवासी हमले से गुस्से में हैं, और जिस तरह बैठकों का दौर जारी है, उससे संभावना बलवती है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत जल्द ही माकूल जवाबी कार्रवाई करेगा। मोदी सरकार ने 2016 में उरी में सेना के जवानों पर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के अंतर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी। पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले को निशाना बनाए जाने के बाद पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादियों के ठिकाने पर हवाई हमला किया गया था। बेशक, पाकिस्तान के खिलाफ भारत जवाबी कार्रवाई जल्द करेगा लेकिन इस बीच कूटनीतिक रूप से भी भारत सक्रिय है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अनेक देशों के राजनयिकों आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता' की भारत की नीति से अवगत कराया है। यकीनन भारत बताएगा कि आतंकवादी को करारा जवाब देना उसका संकल्प है।

चिंतन-मनन

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

भोर के सूर्य की तरह सदैव प्रकाशित और पूजित महाकवि सूरदास

महाकवि सूरदास को हिंदी साहित्य का सूर्य माना जाता है। उनके बारे में एक कहावत बहुत प्रसिद्ध है जो आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा रचित है -

'सूर सूर तुलसी शशि उड़गन केशव दास,
और कवि खदयोत सम जहां तहां करत प्रकाश'

हिंदी साहित्य जगत में सर्वश्रेष्ठता को लेकर सूर और तुलसी में हमेशा से एक तुलना, एक चर्चा जरूर रही है और बच्चन जी को छोड़कर सभी महाकवियों ने सूर को सर्वश्रेष्ठ माना है, सिर्फ बच्चन जी ने तुलसी को सर्वश्रेष्ठ माना है। बेशक ज्ञान, भाषा और कला पक्ष की दृष्टि से तुलसी सर्वश्रेष्ठ हैं लेकिन भावपक्ष की बात करें तो सूर का कोई मुकाबला ही नहीं है। सूरदास जी की सबसे बड़ी खासियत उनकी मौलिकता और भावनात्मक गहराई ही है और यह सब उन्होंने तब लिखा है जबकि वो जन्मांध थे। उन्हें आंखों से दिखाई नहीं देता था लेकिन वे मन की आंखों से देखते थे और जैसा देखते वैसा ही गाते थे और प्रमाणिक काव्य रचते थे। उनके काव्य की प्रमाणिकता के कारण कई विद्वानों ने तो सूर का जन्मांध होना स्वीकार ही नहीं किया, उनका तर्क है कोई भी जन्मांध व्यक्ति श्रृंगार का इतना सटीक बर्णन कैसे कर सकता है। इस संदर्भ में वैष्णव संप्रदाय में तो एक किस्सा बड़ा मशहूर है कि सूरदास के श्रृंगार और सौंदर्य वर्णन की सटीकता के कारण लोगों को शक होता था कि या तो सूरदास जी अंधे होने का नाटक करते हैं या किसी से श्रृंगार के बारे में पूछकर काव्य रचना करते हैं। इसी की पुष्टि के लिए एक दिन पुजारी जी के बेटे ने श्रीनाथ जी को कोई श्रृंगार ही नहीं कराया और सिर्फ मोतियों की माला धारण करा दी और साथ ही सूरदास जी से पहले किसी को दर्शन करने की अनुमति भी नहीं दी। लेकिन तभी सूरदास जी का आना हुआ और आते से ही उनकी नजर श्रीनाथ जी के स्वरूप पर पड़ी तो उनको जोर से हंसी आ गई तब पुजारी जी ने उनसे हंसी का कारण पूछा तो सूरदास जी ने तुरंत एक पद सुनाया 'आज हरि देखे नंगम नंगा, बसंहीन छवि उठति तरंगा' इतना सुनते ही पुजारी जी सूरदास जी के पैरों में गिर गए और क्षमा प्रार्थना भी की।

यह किस्सा अक्सर धार्मिक चचाओं और भागवत कथाओं काफी सुना सुनाया जाता है। अगर हम केवल साहित्यिक नजरिए से देखें तो भी सूरदास की रचनाओं में अद्भुत गहराई मिलती है। उनका भावपक्ष इतना प्रबल है कि उनको पढ़ते पढ़ते सामान्य जन भी भाव विह्वल जो जाते हैं। सूरदास की भक्ति और भावनात्मक गहराई का ही परिणाम है कि आज बालकृष्ण और लड्डू गोपाल की पूजा घर घर में हो रही है। आज हमें बालक कृष्ण के दही से सने हुए हाथ और होंठ के जो फोटो देखने को मिलते हैं उसकी सबसे पहली परिकल्पना सूरदास जी ने ही की थी। बालक कृष्ण का चोरी चोरी माखन खाना, या माखन खाते हुए मटकी फैला देना और अपने नन्हे हाथ और नाजुक होंठो को माखन से सना लेना यह सब सूरदास जी की दिव्य दृष्टि की ही देन है, उनसे पहले बालकृष्ण का ऐसा अद्भुत वर्णन किसी ने नहीं किया। सूरदास जी मन की आंखों से बालक कृष्ण की लीलाएं देखते थे और फिर उनको गाते थे इसीलिए उनको वैष्णव संप्रदाय का तो जहाज भी कहा जाता है। सूरदास ही थे जो वैष्णव खासकर वल्लभ संप्रदाय के मूल भाव को जन जन तक पहुंचा सके इसीलिए अष्टछाप के कवियों में सूरदास जी का सर्वोत्कृष्ट स्थान है, वो न सिर्फ आचार्य बल्लभ के शिष्य थे बल्कि उनके विचार और भाव को शब्दों के जरिए मूर्त रूप भी देते रहे इसीलिए आज तक वैष्णव मंदिरों में सूरदास के पद गाए जाते हैं, मंदिरों से ही उनके पद साहित्य में आए और साहित्य से भजन का रूप लेकर मंचों तक आए, आज देश में एक भी ऐसा भजन गायक नहीं हैं जो सूरदास के पद न गाता हो और एक भी कथा वाचक ऐसा नहीं है जो सूरदास जी के पदों के बिना भागवत कथा करता हो। यह सूरदास जी के भाव पक्ष की ही प्रबलता है कि आज पांच सौ साल बाद भी लोग उनके काव्य को सुनकर गदगद हो जाते हैं। उनके पद कई सालों से प्रचलित हैं लेकिन फिर भी उनको बार बार सुनना अच्छा लगता है। हमारे देश में रामायण पाठ की बहुत पुरानी परम्परा रही है इसलिए रामायण हमारे देश के हर घर में मिलती है, सुनी सुनाई जाती है। एक भक्ति आयोजन की तरह उसका पूजा पाठ होता है, हर शुभ अवसर पर रामायण पाठ की परंपरा है इसलिए रामचरित मानस का इतना प्रसिद्ध और सम्मानित होना लाजिमी है लेकिन सूरदास के पदों का ऐसा कोई नियमित आयोजन नहीं होता फिर भी उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं है। बल्कि दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। भारत में यदि उनकी लोकप्रियता कम होती है तो सुदूर अमेरिका में सूर के पद गाए जाते हैं। मैं वृंदावन में बहुत से अंग्रेजों से मिला हूं जो सूरदास के पद बहुत भाव से गाते हैं, उनका अर्थ भी जानते हैं और पूछने पर बता भी देते हैं। भक्ति मार्ग में सूर को वैष्णव संप्रदाय का जहाज कहा जाता है लेकिन वर्तमान में वे ब्रज भाषा के भी जहाज हैं, बृज के सबसे बड़े वाहक हैं। बृज के अलावा कहीं बृज भाषा पढ़ने सुनने को मिलती है तो उसका सबसे बड़ा कारण सूरदास ही हैं। उन्होंने भाषा भी इतनी सरल लिखी है कि छोटे बच्चे भी समझ सकते हैं और यही एक अच्छे कवि की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि वह सरल भाषा में बड़ी बात करता है। साहित्य जगत में एक कहावत प्रचलित है कि सरल लिखना ही सबसे कठिन है और यह सबसे कठिन काम ही सूरदास ने किया है जो उनकी वर्षों की भक्ति का परिणाम है। सूरदास जी की वर्षों की तपस्या का ही परिणाम है जिन्होंने एक लाख से भी ज्यादा पदों की रचना की थी। उनकी अकेली सूरसागर ही ऐसी है जिसमें एक लाख पद थे, हालांकि अब इसके सिर्फ पांच दस हजार पद ही उपलब्ध हैं। इसके अलावा भी उनकी अन्य पुस्तकें हैं जिनमें सूरसाराबली और साहित्य लहरी भी शामिल है। आमतौर पर सूर कृष्ण के लीला बर्णन के लिए ही जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इनके अलावा भी रचनाएं की हैं जिनमें नल दमयंती उनकी एक बहुत प्रसिद्ध रचना है। नल दमयंती की कथा अपने आप में बहुत गहरी है, इस कथा में प्रेम की तीव्रतम अभिव्यक्ति है। इसका वर्णन सूरदास जी ने काव्य रूप में किया है। इसको सूरदास की मेघदूत कहा जा सकता है लेकिन उनकी कृष्ण लीलाओं के मुकाबले इसको लोकप्रियता कम हासिल हुई। ऐसा अक्सर हर कवि के साथ होता है। हर प्रसिद्ध कवि की कुछ रचनाएं ही ज्यादा लोकप्रिय हो पाती हैं फिर चाहे वे सूरदास, तुलसीदास हों केशव, भूषण या फिर बच्चन सभी की एक दो रचनाएं ही प्रसिद्ध हुई हैं बाकी रचनाएं एक प्रसिद्ध रचना के साए में ही ढंकी रहीं। लेकिन इससे बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता कि कवि ने कितना लिखा है महत्वपूर्ण यह है कि कवि ने क्या और कैसा लिखा है और जब कैसा लिखा है पर चर्चा की जाए तो सूरदास का कोई मुकाबला नहीं। यही कारण है कि बड़े बड़े विद्वानों ने भी सूर को साहित्य जगत का सूर्य ही माना है, एक ऐसा सूर्य जो हर युग में प्रकाशित है, आज सूर और कृष्ण भक्ति एक दूसरे के पर्याय हो चुके हैं, दुनिया में जब तक सूर साहित्य रहेगा तब तक कृष्ण भक्ति होती रहेगी और जब तक कृष्णभक्ति होगी तब तक सूरदास रहेंगे, बिल्कुल भोर के सूर्य की तरह प्रकाशित और पूजित।

-डॉ. मुकेश कबीर

भारत ने पाकिस्तान पर की वाटर एवं डिजिटल 'स्ट्राइक'

जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम की बैसारन घाटी में एक सप्ताह पूर्व इस्लामिक जेहादियों द्वारा इंसानियत के विरुद्ध कायराना हरकत को अंजाम देते हुए दो दर्जन से अधिक पर्यटकों की मौत के मामले में भारत ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। पाकिस्तान से आए चार आतंकियों द्वारा की गई अंधाधुंध फायरिंग में उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, नेपाल, यूएई नेपाल और उड़ीसा के पर्यटक मौत का शिकार बने थे। इस कायराना आतंकी हमले के बाद पूरे देश में खासा आक्रोश है और देश का आवाम अब पाकिस्तान के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की मांग कर रहा है। उधर, देश के आवाम की भावनाओं की कद्र करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने भी पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाते हुए आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने का ऐलान किया है। इस कार्रवाई में पाकिस्तान के चैनलों को बेन करने के साथ-साथ सिंधु जल समझौते को इस स्थगित करने जैसे कदम शामिल है। पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत ने इस बार आतंकियों के विरुद्ध संभावित सर्जिकल एवं एयर स्ट्राइक करने से पूर्व वाटर और डिजिटल 'स्ट्राइक' की है।

आतंकी हमले से गुस्साए भारत में सबसे पहले पाकिस्तान के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई के तहत वर्ष 1960 में हुए ह्वसिंधु जल समझौतेह्न को फिलहाल रोक दिया गया है। वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता के साथ वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी के जल पर समझौता हुआ था। इस समझौते पर पाकिस्तान की करीब 80 प्रतिशत खेती निर्भर है। भारत के हालिया फैसले पर वर्ल्ड बैंक भी स्पष्ट कर चुका है कि उसकी मध्यस्थता के दौरान कुछ समय के लिए संस्थान सिग्नेटरी रहा है। लेकिन अब ये दो मुल्कों के बीच का मामला है। भारत ने भी पाकिस्तान को भेजे अपने पत्र में साफ किया है कि वर्तमान हालात में सिंधु जल समझौते को आगे बढ़ाया जाना संभव नहीं है। जिसके चलते गर्मी के इस मौसम के साथ-साथ आने वाले दिनों में पाकिस्तान को उसकी जरूरत के हिसाब से पानी मिलने में संभावित संकट सामने आना तय है। पानी की किल्लत से पाकिस्तान में खेती-किसानी प्रभावित होगी तथा लोगों को पीने के लिए भी उनकी जरूरत का पानी नहीं मिल सकेगा।

रणनीति एवं सैन्य मामलों के जानकार भारत के इस कदम को आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के विरुद्ध 'वाटर स्ट्राइक' करार दे रहे हैं। जानकारों का यह भी कहना है कि सर्जिकल और एवं सर्जिकल स्ट्राइक की तुलना में भारत द्वारा की गई वाटर स्ट्राइक के दूरगामी में परिणाम होंगे। सिंधु जल समझौते के निरस्तीकरण के बाद पाकिस्तान में उत्पन्न होने वाले जल संकट से उसकी समस्या अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक गतिविधियां भी बुरी तरह प्रभावित होगी। इसके साथ ही भारत में पाकिस्तान के विरुद्ध 'डिजिटल स्ट्राइक' भी कर दी है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद में विदेशी मीडिया द्वारा गलत रिपोर्टिंग करने के मामले में भारत ने पाकिस्तान के करीब डेढ़ दर्जन न्यूज एवं यूट्यूब चैनलों को बैन किया है। इनमें जिओ न्यूज, डॉन न्यूज ए आरआई न्यूज, बोल न्यूज, सुनो न्यूज, जीएनएन टीवी, समा टीवी एवं समा स्पोर्ट्स शामिल है। इसके साथ ही आरजू कासमी तथा शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनलों को भी भारत में बैन किया गया है।

यह सभी पाकिस्तानी चैनल अपने कंटेंट में भड़काऊ तथा सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री दिखा रहे थे तथा भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रहे थे। इसके साथ ही इन चैनलों द्वारा भारतीय सेवा और सुरक्षा एजेंसियों को निशाना बनाते हुए भ्रामक नैरेटिव भी सेट किया जा रहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने बीबीसी को भी पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले के दौरान की गई रिपोर्टिंग पर सख्त एतराज जताया है। इस संबंध में सरकार की ओर से भारत में बीबीसी के प्रमुख जैकी मार्टिन को पत्र भी लिखा गया है। पत्र में आतंकियों को चरमपंथी बताने पर गंभीर आपत्ति जताई गई है। यही नहीं, मंत्रालय ने बीबीसी की रिपोर्टिंग पर नजर रखने के लिए भी कहा है। भारत के गृह मंत्रालय की सिफारिश पर की गई इस कार्रवाई को इंटरनेशनल स्तर पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की 'डिजिटल स्ट्राइक' माना जा रहा है।

भारत द्वारा की गई डिजिटल स्ट्राइक के तहत भारत विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार पर नजर रखने के लिए गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की एक विशेष टीम बनाई गई है। यह टीम भारतीय और विदेशी डिजिटल मीडिया पर पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ी सामग्री और ऑनलाइन गतिविधियों की जांच करेगी। इसके साथ ही टीम ऐसे लोगों की भी पहचान करेगी जो, भारत सरकार और सेना की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए मनगढ़ंत और झूठे प्रचार में जुटी हुई है। सैन्य एवं कूटनीति के जानकारों का कहना है कि पहलगाम की बैसारन घाटी में हुआ यह हमला वर्ष 2019 में पुलवामा अटैक के बाद दूसरा सबसे बड़ा आतंकी हमला है। तब 14 फरवरी 2019 को आतंकवादी संगठन जैसे मोहम्मद के आत्मघाती हमलावर ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की गाड़ी को अपने निशाना बनाया था। जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे।

इससे पूर्व 18 सितंबर वर्ष 2016 उरी में आतंकी हमला हुआ था। जैश-ए-मोहमद द्वारा सेना की बिग्रेड पर किए गए इस हमले में 19 सैनिक शहीद हुए थे। बताते चलें कि इससे दो साल पूर्व रियासी में शिवखोड़ी से दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुयों की बस पर आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। जिसमें कुल नो हिंदू दर्शनार्थियों की मौत हो गई थी। भारत में जहां पहले सिंधु जल समझौते को निरस्त करके तथा पाकिस्तान के चैनलों को बेन करके भारत के विरुद्ध वाटर एवं डिजिटल स्ट्राइक करके पाक के दुष्प्रचार को रोक दिया है। भारत का यह कदम सर्जिकल एवं एयर स्ट्राइक से पूर्व उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। रक्षा एवं सैन्य मामलों की जानकारों का कहना है की बहुत जल्दी ही भारत पाकिस्तान के विरुद्ध सर्जिकल अथवा एयर स्ट्राइक करेगा, जो पड़ोसी पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद के विरुद्ध भारत का निर्णायक कदम होगा। **-प्रदीप कुमार वर्मा**

ऑपरेशन बदला? पाकिस्तान में दहशत-मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस@ मिडनाइट-भारत तैयार बनाम पाक में हाहाकार

भारतीय सेनां की तैयारीयाँ देखकर पाक के होश उड़े- पाक सूचनामंत्री ने भारतीय हमले की 36 घंटे की डेड लाइन दी
भारत की धड़ाधड़ रक्षा तैयारीयाँ, मीटिंग्स एलओसी रेकिंग से डरा पाक, बचाव में जुटा-36 घंटे में हमले की उम्मीद का बयान आया
-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ देख रही है कि पहले से ही दो जंगों नें पूरी दुनियाँ को डिस्टर्ब कर दिया है, और अब तीसरी जंग शुरू होने के मुहाने पर खड़ी है, जैसे उन दोनों जंगों में दुनियाँ बटी हुई नजर आ रही है, तो इस होने वाली नई जंग में भी संभवतः कुछ देश बटे होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि इस तीसरी जंग को ऑपरेशन बदला ? का नाम दिया जा सकता है, अनेक विकसित देशों ने खुलकर समर्थन किया है, और यहां तककि चीन नें भी आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने की बात कही गई है।सभी पाठक जानते होंगे कि यह जंग भारत- पाकिस्तान की है जो 36 घंटे में शुरू होने हो सकती हैं,जिसका अंदेशा पाक सूचना व प्रसारण मंत्री ने लगाया है। यह युद्ध आतंकवाद के खिलाफ एक रोल मॉडल होगा, जो घर में घुसकर आतंकवादियों के अड्डे नेस्तनाबूत करने का लक्ष्य हो सकता है, जिसकी तैयारी करीब-करीब पूर्ण हो चुकी है।जो पीएम की सभी मीटिंग्स में तीनों अंगों की सेनाओं के अध्यक्ष, विदेश मंत्री रक्षामंत्री से बैठक हो चुकी है।सेना को फ्री हैंड का आदेश दिया जा चुका है। बता दें यह सब पहलगाम हमले का जवाब देने की रणनीति के अंतर्गत है,जिसकी अनेक देशों ने निंदा की थी व आतंकवाद के खिलाफ भारत को साथ देने की बात कही थी,चूँकि भारत की धड़ाधड़ रक्षा तैयारीयाँ, मीटिंग्स, एलओसी से डरा पाकिस्तान, बचाव में जुटा,36 घंटे में हमले या सर्जिकल स्ट्राइक कीसंभावना है ?तथा भारतीय सेना और रक्षा विभाग की तैयारीयों को देखकर पाकिस्तान के होश उड़े, सूचना प्रसारण मंत्री ने भारतीय हमले की 36 घंटे की डेडलाइन निर्धारित की हैं ऐसी जानकारी मीडिया से आ रही है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन बदला? पाक में दहशत,मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस@ मिडनाइट भारत तैयार बनाम पाक में हाहाकार।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन बदला?की करें तो बहुत ही भयानक कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं!भारत पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए सैद्धांतिक तौर पर तैयार हो चुका है। जिस तरह से मंगलवार को पीएम ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों और चीफ और डिफेंस स्टाफ के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में बैठक की है और उन्हें इस मामले में हर तरह की कार्रवाई की खुली छूट दी है, उससे अब यह सिर्फ समय की बात रह गई है कि एक्शन कब शुरू होता है। खासकर राजनीतिक नजरिए से देखें तोआरएसएस के प्रमुख का पीएम से मिलने के लिए उनके आवास पर जाना भी बहुत अप्रत्याशित है। इससे यह भी संदेश मिल रहा है कि जो भी एक्शन होगा, उसका प्रभाव बहुत ही तगड़ा होने जा रहा है और उसी लाइन के मुताबिक रहने वाला है, जिसका संकेत खुद पीएम दे चुके हैं। पहले वाले टारगेट को ध्वस्त करने वाला ऑपरेशन कुछ उसी तरह से करना होगा, जिस तरह से अमेरिका ने पाकिस्तान में छिपे अल-कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को मौत की नींद सुलाने के लिए किया था। भारत इस तरह के टारगेट को साधने के लिए सतह से लेकर नियंत्रण रेखा के काफी अंदर घुसकर पीओके और यहां तक कि पाकिस्तान में भी वार कर सकता है। जहां तक कमांडो ऑपरेशन की बात है तो यह लॉन्च पैड को मिटाने के लिए किए जा सकते हैं। इस तरह के सर्जिकल स्ट्राइक में हमारे जवान पहले काफी सफल रहे हैं। वहीं पाकिस्तान या पीओके के ज्यादा भीतर वाले आतंकी ठिकानों या उनके आकाओं को मारने के लिए लंबी-दूरी की मिसाइल से लेकर हवाई हमले तक का विकल्प हो सकता है।लेकिन, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा के बाद पाकिस्तान के करीब 80 किलोमीटर अंदर हुई एयरस्ट्राइक के बावजूद कुछ वर्षों में आतंकी संगठनों ने बहुत बड़ी हिमाकत करके दिखाया है। इसलिए, हो सकता है कि हमारी सेना सभी तरह के विकल्पों का इस्तेमाल एक साथ कर दे,ताकि आतंकियों और उनके आकाओं को किसी बिल में छिपने का भी मौका न मिले। क्योंकि,भारत ने जो संकल्प लिया है, उसे दुनिया भर के ज्यादातर देशों का समर्थन हासिल है। पाक को भी मालूम है कि इस बार वह आतंकियों और उनके सरगनाओं को बचा नहीं सकता। इसलिए भारतीय हमले की बात खुद वहां की सरकार के लोग मान रहे हैं। हमला होकर रहेगा और हमें सिर्फ इंतजार इस बात का करना है कि यह कितना भयानक होता है?

साथियों बात अगर हम उच्च स्तरपर लगातार चली बैठकों में तथा पाक सूचनाप्रसारण मंत्री के 24-36 घंटों में हमले को चार पॉइंटस में समझने की करें तो, जिस तरह की फोटोज पीएम की मीटिंग की आई है जिसमें सेना और खुफिया विभाग के अफसरों के साथ महत्वपूर्ण मंत्रालयों के मंत्री भी बैठे हैं लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है,दूसरे दिन पीएम राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति यानी सीसीपीए और कैबिनेट की सुरक्षा समिति यानी सीसीएस की बैठक भी की, उससे पाक के सूचना मंत्रीने दावाकिया है कि पक्की खुफिया जानकारी है कि अगले 24 से 36 घंटे में भारतीय सेना का अटैक होने वाला है। जो भी हो इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि पहलगाम के कातिलों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। (1) - पाक लंबे समय से अपनी परमाणु क्षमता को भारत के खिलाफ एक रणनीतिक हथियार के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, पहलगाम अटैक के बाद पाकिस्तानी नेता बार-बार कह रहे हैं कि उनका अस्तित्व खतरे में पड़ा तो वह परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकते हैं, यह न्यूक्लियर गुब्बारा पाक की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह भारत को सैन्य कार्रवाई से रोकने के लिए परमाणु युद्ध की धमकी देता है, पर भारत ने जिस तरह अपनी सेना को फ्री हैंड दिया है उसका साफ मतलब है कि पाक परमाणु युद्ध की धमकी का भारत पर कोई असर नहीं है, पाक के रक्षा मंत्री ने रॉयटर्स को बताया कि यदि भारत ने सैन्य हस्तक्षेप किया, तो पाक सभी विकल्प खुले रखेगा, जिसमें परमाणु हथियार भी शामिल हैं, लेकिन भारत की सैन्य ताकत, कूटनीतिक रुख, और अतीत की कार्रवाइयों -जैसे 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट हवाई हमले-ने पाकिस्तान की इस धमकी को कमजोर किया था, भारत ने इस बार भी स्पष्ट कर दिया है कि वह परमाणु युद्ध की धमकी से डरने वाला नहीं है, और उसकी कार्रवाइयाँ नियंत्रित,लक्षित, और प्रभावी होंगी (2)-पीएम की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी, यह स्वायत्तता तकनीकी और सामरिक स्तर पर है, जिसमें सेना को यह तय करने की आजादी है कि कब, कहां, और कैसे कार्रवाई करनी है, यह नीति पहलगाम हमले के जवाब में आई, जिसे भारत ने पाक - आधारित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ा है, फ्री हैंड का अर्थ यह नहीं है कि सेना पाक की तरह अपनी मनमानी करेगी, भारत में लोकप्रिय राजनीतिक नेतृत्व है इसलिए सेना हमेशा उसके मार्गदर्शन में ही काम करती है। फ्री हैंड का मतलब सिर्फ इतना होता है कि सेना को त्वरित और प्रभावी जवाब देने के लिए नौकरशाही से मुक्त करना, भारतीय सेना को फ्री हैंड देने के और भी कई मतलब हैं, जैसे भारतीय सेना पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक या हवाई हमले कर सकती है, भारतीय सेना पाक में स्थित आतंकी बेस कैंपों पर आक्रमण कर सकती है, यह भी हो सकता है कि सेना पाक के कुछ हिस्सों का नेवल ब्लॉकिज भी कर दे। (3) पाक की चिंताएं और नींद उड़ने के सबूतभारतीय सेना को फ्री हैंड दिए जाने के बाद किस तरह पाक के होश उड़े हुए हैं यह हम उनके रिएक्शन में देख सकते हैं, पाक में इस घोषणा के बाद घबराहट के कई संकेत दिखे हैं, जो यह दशार्ते हैं कि उसका न्यूक्लियर गुब्बारा कमजोर पड़ रहा है,पाक ने तुरंत अपनी सैन्य तैयारियों को बढ़ा दिया है। एक्स पर पाक सूचना मंत्री ने दावा किया कि भारत 24-36 घंटे के भीतर हमला कर सकता है. पाक सेना ने एलओसी पर सतर्कता बढ़ाई, और 28-29 अप्रैल की रात को कुपवाड़ा बारामूला, और अखनूर सेक्टर में गोलीबारी की, जिसका भारत ने जवाब दिया, पाक ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य देशों से हस्तक्षेप की अपील की है, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दावा किया कि पाक अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए तैयार है, लेकिन साथ ही शांति की वकालत की, यह दोहरा रुख उसकी घबड़ाहट का ही नतीजा है।(4) - उसकी परमाणु धमकी की विश्वसनीयता कई कारणों से कमजोर है, पहली बात पाक परमाणु हमला करके दुनियाँ भर की आर्थिक नाकेबंदी झेलने की स्थिति में नहीं है, पहले से उसकी जनता रोटी के लिए तरस रही है, अगर पाक ऐसी हरकत करता है तो भारत उसको तबाह कर सकता है.पाक के पास 170 परमाणु हथियार हैं, जो भारत के 172 से थोड़े कम हैं, पर भारत के पास परमाणु हथियारों को ढोने और वॉर करने की टेक्नोलॉजी पाक से मीलों आगे है, इसका कारण यह है कि भारत की आर्थिक और सैन्य संतुलन, भारत का सैन्य बजट (78.7 बिलियन डॉलर) पाक (7.6 बिलियन डॉलर) से 10 गुना अधिक है पाक आतंकवाद के समर्थन के कारण पहले से ही एफएटीएफ जैसे संगठनों के दबाव में है, भारत की सैन्य कार्रवाई और सबूत उसके अलगाव को बढ़ा सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,ऑपरेशन बदला? पाक में दहशत-मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस @ मिडनाइट -भारत तैयार बनाम पाक में हाहाकार।भारतीय सेनां की तैयारीयाँ देखकर पाक के होश उड़े- पाक सूचना मंत्री ने भारतीय हमले की 36 घंटे की डेड लाइन दी,भारत की धड़ाधड़ रक्षा तैयारीयाँ,मीटिंग्स एलओसी रेकिंग से डरा पाक, बचाव में जुटा-36 घंटे में हमले की उम्मीद का बयान आया।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

बिल बकाये पर सुशांत गोल्फ की कटी बिजली

लखनऊ। लेसा ने गुरूवार शाम को 5.48 करोड़ रुपये के बकाये पर सुशांत गोल्फ सिटी का बिजली कनेक्शन काट दिया। जिससे वहां रहने वाले हजारों उपभोक्ताओं का करीब करीब डेढ़ घंटे तक बिन बिजली रहने को मजबूर होना पड़ा। लेसा ने शाम करीब 4.30 बजे कनेक्शन काटा। जब यह जानकारी अंसल प्रबंधन को मिली तो प्रबंधन ने आनन-फानन में 25 लाख रुपये बकाय बिल का जमा किया। जिसके बाद शाम करीब छह बजे बिजली जोड़ दी गयी। राजभवन डिवीजन के अधिशासी अभियंता अनुज कुमार ने बताया कि अंसल प्रापर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर पर करीब 5 करोड़ 48 लाख रुपये बकाया है। गुरुवार को शाम चार बजे तक पैसा न जमा करने पर अभियान के तहत बिजली काट दी गयी थी। जिसके बाद मौके पर 25 लाख रुपये जमा करने के बाद बिजली आपूर्ति चालू कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि शेष 50 लाख रुपये एक हफ्ते के अंदर जमा करने के लिए समय मांगा गया है। बताते चलें कि बकाया जमा करने के लिये लेसा की ओर अंसल ग्रुप को कई बार नोटिस भी जारी किये जा चुके हैं, लेकिन अंसल ग्रुप ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण बुधवार को फिर अंसल ग्रुप को बिजली बिल जमा करने लिये नोटिस दिया गया था। जिसमें लिखा था कि गुरुवार को 12 बजे तक अपना बिजली बिल जमा कर दें, नहीं तो कनेक्शन काट दिया जायेगा। इस नोटिस का भी अंसल ग्रुप ने कोई जवाब नहीं दिया। जिस पर सुशांत गोल्फ सिटी का बिजली कनेक्शन काट दिया गया।

डेढ़ घण्टे बाद जोड़ी गयी

इन्दिरानगर, गोमतीनगर व अहिबरनपुर में आज गुल रहेगी बिजली

लखनऊ। राजधानी के कई इलाकों में की बिजली आपूर्ति कल ठप रहेगी। इस दौरान लेसा आरडीएसएस योजना के तहत फीडर व ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत कार्य करायेगा। जिससे करीब दो लाख आबादी को बिन बिजली रहने को मजबूर होना पड़ेगा। अहिबरनपुर उपकेंद्र के त्रिवेणीनगर, इंजीनियरिंग कॉलेज उपकेंद्र के शंकरपुर गांव, लॉरी पैकेज, होंडा शोरूम के आसपास, और पुरनिया उपकेंद्र के चंद्रलोक में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक बिजली गुल रहेगी। इसके अलावा महिला पॉलीटेक्निक उपकेंद्र के सेक्टर-आठ, नौ, 12, पटेल नगर, अशोक विहार, ईश्वरी पुरी, सेंट्रल एकेडमी, शालीमार गार्डेन, विजय प्रताप नगर, एहसान नगर, राजवीर नगर, रघुराज नगर, स्टॉर कॉलोनी व द्वारिका पुरी में सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। गोमतीनगर विस्तार सेक्टर-चार में दोपहर 12 से शाम चार बजे तक बिजली गुल रहेगी। ओसीआर उपकेंद्र के वीर नगर में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक बिजली नहीं आयेगी। ठाकुरगंज के राधाग्राम उपकेंद्र के तहसीनगंज और रईस नगर में बिजली बंद रहेगी। गऊघाट उपकेंद्र के सज्जादबाग और रोजा गांव में बिजली आपूर्ति ठप रहेगी।

आतंकी हमले में मारे गये लोगों की आत्मा शांति के लिये अटेवा पेंशन बचाओं मंच द्वारा निकाला गया कैंडल मार्च।

अटेवा ने निकाला कैंडल मार्च

लखनऊ। एनएमओपीएस के आह्वान पर आज अटेवा के बैनर तले पूरे प्रदेश में जम्मू कश्मीर में आतंकियों की गोली के शिकार हुए शहीदों के लिए जिला मुख्यालयों पर कैंडल मार्च निकाल कर श्रद्धांजलि दी गई। कैंडल मार्च के दौरान सभी शिक्षक व कर्मचारी अपने साथ तिरंगा झंडा और नारे से लिखी हुई तख्तियां लिए हुए थे आतंकवाद मुर्दाबाद, हिन्दुस्तान जिंदाबाद ,अटेवा देश के साथ सभी ने एक स्वर से सरकार से आतंकियों पर कड़ी कारवाई करने की मांग की। लखनऊ में कैंडल मार्च का नेतृत्व एनएमओपीएस व अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु के नेतृत्व में निकाला गया। यह मार्च के. डी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ के पास स्थित कर्मचारी नेता स्व .बी.एन.सिंह की प्रतिमा से जी.पी.ओ. गांधी प्रतिमा तक कैंडल मार्च निकाल कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विजय कुमार बन्धु ने कहा कि संकट की घड़ी में अटेवा एनएमओपीएस देश के साथ, सरकार के साथ खड़ा है जब देश की एकता व अखंडता की बात होगी तो देश का शिक्षक ,कर्मचारी हो या आम नागरिक हो सभी चट्टानी एकता के साथ खड़ा है।

शाइन सिटी का सीएमडी राशिद नसीम भगोड़ा घोषित

लखनऊ। बहुचर्चित शाइन सिटी के सीएमडी राशिद नसीम को भी अदालत ने आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया गया है। लखनऊ की विशेष अदालत ने गुरुवार को राशिद को भगोड़ा घोषित किया। रियल इस्टेट कंपनी शाइन सिटी के सीएमडी राशिद नसीम पर सैकड़ों एफआईआर यूपी और अन्य राज्यों में दर्ज हैं।

मालूम हो कि राशिद पर आम लोगों का करीब 800 से 1000 करोड़ रुपए ठगने का आरोप है। राशिद के दुबई में छिपे होने की जानकारी पुलिस को मिली है। ईडी ने भी इसके खिलाफ जांच की थी। इसी के बाद उसके खिलाफ मनी लॉड्रिंग का मामला सामने आया था। मामला लखनऊ की विशेष अदालत में चल रहा था। वहीं से गुरुवार को राशिद को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया। आज के फैसले को ईडी की बड़ी सफलता माना जा रहा है। ईडी अब तक शाइन सिटी घोटाले में 18939 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर चुकी है। जांच में सामने आया कि राशिद नसीम भारत छोड़कर दुबई भागा हुआ है। इसके बाद उसके खिलाफ गैर.जमानती वारंट लुकआउट सर्कुलर और रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है।

स्थानीय अदालतों से भी उसे भगोड़ा घोषित किया गया है। शाइन सिटी के निवेशकों को उनकी रकम लौटाने की दिशा में भी ईडी काम कर रही है। पिछले दिनों ही राशिद नसीम की 12 और रिश्तेदारों की करीब 60 करोड़ रुपये की सम्पत्ति और चिन्हित की थी। यह सम्पत्तियां लखनऊ कानपुर नोएडा और दिल्ली में है। कानूनी औपचारिकता पूरी होते ही इन सम्पत्तियों को नीलाम कर दिया जाएगा। फिर इनसे मिली रकम निवेशकों को लौटाना शुरू कर दिया जाएगा। कोर्ट ने आदेश दिया था कि फरार सीएमडी राशिद नसीम विदेश में छिपा हुआ है। पुलिस के काफी प्रयास के बाद भी उसने समर्पण नहीं किया है। लिहाजा उसकी जब्त सम्पत्तियां नीलाम कर उनसे मिली रकम को निवेशकों में बांट दिया जाए। कोर्ट ने आदेश दिया था कि सम्पत्ति नीलाम करने से मिली रकम उन्हीं निवेशकों को दी जाएगी, जिन्होंने कोर्ट में आवेदन किया होगा। इसके बाद ही निवेशकों ने कोर्ट में अपनी जमा रकम का ब्योरा देते हुए आवेदन करना शुरू कर दिया था। अब तक चार हजार से अधिक निवेशक अपनी रकम पाने के लिए आवेदन कर चुके हैं।

शशिभूषण को हटाने के लिए लविप्रा लिख चुका है पत्र

लखनऊ। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लखनऊ विकास प्राधिकरण में कार्यरत शशि भूषण पाठक और अवर अभियंता भरत पाण्डेय के खिलाफ कार्यवाही हेतु लिखे गये पत्र पर कार्यवाही के बजाय एक अफसर पत्र को ठण्डे बस्ते में डालने की कोशिश में जुटा है। एनेक्सी स्थित आवास विभाग में अधिष्ठान देख रहे एक अधिकारी की भूमिका चर्चा मे है। ज्ञात हो कि विकास प्राधिकरण में कार्यरत एसडीएम शशि भूषण पाठक के खिलाफ मण्डलायुक्त ने पन्द्रह दिन पहले अवैध निर्माण के मामले में भूमिका संदिग्ध पाये जाने पर इन्हें निलम्बित करने हेतु विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया गया था,इसके साथ ही अवर अभियंता भरत पाण्डेय के खिलाफ भी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। दोनों के खिलाफ विकास प्राधिकरण की ओर से शासन को पत्र भी भेजा जा चुका है। श्री पाठक के खिलाफ एनओसी के मामले में मुख्य सचिव द्वारा भी कारवाई के निर्देश दिए गये थे किन्तु जुगाड़ के चलते तत्कालीन उपाध्यक्ष ने बचा लिया था। श्री पाठक की कार्यशैली फील्ड और कार्यालय में किसी से छिपी नहीं है। अर्जन विभाग में साथ जोनल अधिकारी के दायित्व के दौरान इनके खिलाफ शासन में शिकायती पत्र भी गये थे, जिनकी जांच पत्रावली में दबा दी गयी है। सूत्रों का कहना है कि एसडीएम शशि भूषण पाठक कारवाई से बचने के लिए एनेक्सी स्थित आवास विभाग और लोकभवन स्थित नियुक्ति विभाग में परिक्रमा लगा रहे हैं श्री पाठक के खिलाफ कारवाई रोकने और पत्रावली को दबानने की कोशिश में अनुभाग अधिकारी और समीक्षा अधिकारी अपना-अपना प्रयास कर रहे हैं।

डा.राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान से हटाये गये 240 गार्डों ने तीन नम्बर गेट पर किया प्रदर्शन।

जल संयंत्र में सफाई पर 71 कैमरों की निगरानी

लखनऊ। लखनऊ के करीब 12 लाख लोगों को रोज पानी देने वाले एशबाग जल संयंत्र में गुरुवार को जलकल विभाग ने एक विशेष सफाई और निरीक्षण अभियान चलाया। इसका मकसद था लोगों को और शुद्ध और सुरक्षित पानी उपलब्ध कराना। इस पूरे अभियान की निगरानी खुद जलकल विभाग के जीएम श्री कुलदीप सिंह ने की। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से सुधारने और हर तकनीकी कमी को दूर करने के लिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता सचिन यादव ने बताया कि सफाई अभियान में क्लोरीनेशन सिस्टम, प्रेस फिल्टर यूनिट, पंप हाउस, कंट्रोल रूम और ट्रीटमेंट यूनिट की पूरी तरह धुलाई और सफाई की गई। साथ ही पाइपलाइन और जल प्रवाह व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया।इस संयंत्र में अब 71 हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके जरिए हर गतिविधि पर 24x7 नजर रखी जा रही है। इससे संयंत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी भी गड़बड़ी को तुरंत ठीक किया जा सकेगा।जीएम जलकल कुलदीप सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि संयंत्र की रोजाना सफाई, मशीनों का रखरखाव और जल गुणवत्ता की जांच प्राथमिकता में रखी जाए। उन्होंने कहा, ध्यान हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पहुंचे, यह हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस अभियान का सीधा फायदा लखनऊवासियों को मिलेगा। बेहतर सफाई और तकनीकी सुधार से अब उन्हें मिलेगा साफ, सुरक्षित और बिना रुकावट के पानी। विभाग इस तरह के नियमित निरीक्षण और सुधारात्मक कदम भविष्य में भी उठाता रहेगा। जलकल विभाग ने शहरवासियों को भरोसा दिलाया है कि वह हर संयंत्र की निगरानी, सफाई और तकनीकी सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जनस्वास्थ्य और सेवा गुणवत्ता को लेकर विभाग सतर्क और जिम्मेदार है।

बारात जा रही महिला से हार और मंगलसूत्र लूटा

लखनऊ। शहर के महानगर स्थित छल्ली लाल चौराहे के पास बाइक सवार बदमाश ने एक महिला के गले पर झपट्टा मारकर सोने का हार व मंगलसूत्र लूट लिया। वारदात के समय महिला स्कूटी से उतरकर पति के साथ देवर की बारात में शामिल होने जा रही थी। तहरीर पर महानगर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। कैसरबाग मस्जिदी निवासी पूर्णिमा सोनकर उर्फ पूनम के मुताबिक बुधवार को उनकी देवर की बारात महानगर स्थित छल्ली लाल चौराहे के पास जानी थी। रात करीब 10 बजे वह अपने पति अनुज सोनकर के साथ स्कूटी से बारात में शामिल होने जा रहीं थी। छल्ली लाल चौराहा स्थित मारुति सर्विस सेंटर के पास पति ने स्कूटी सड़क किनारे खड़ी कर दी। फिर वह दोनों पैदल जाने लगे। पति अनुज बारात के पास पहुंचे थे वह पीछे थी। इस बीच पीछे से आए बाइक सवार बदमाश ने गले पर झपट्टा मारकर सोने का हार व मंगलसूत्र लूट लिया। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटते तब तक बदमाश बाइक से फर्राटा भरते हुए गोल मार्केट की तरफ भाग निकले। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पीईटी वाले अभ्यर्थी भर्ती फार्म भरने के लिए अब तीन साल तक होंगे पात्र

लखनऊ। राज्य सरकार ने समूह 'ग तक की भर्तियों में आवेदन करने वाले युवाओं को बड़ी राहत दी है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित होने वाली प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) में एक बार शामिल होने वाले अभ्यर्थी अब तीन साल तक की भर्तियों में फार्म भरने के लिए पात्र होंगे। विशेष कार्मिक कल्याणी रस्तोगी ने इस संबंध में शासनादेश जारी करते हुए आयोग को निर्देश भेज दिया है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने समूह 'ग तक के पदों पर भर्ती के लिए दो स्तरीय परीक्षा प्रणाली लागू की है। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा में शामिल होने वालों को अभी तक दो साल की भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने के लिए पात्र माना जाता था।आयोग स्कोर यानी पीईटी की वरियताक्रम से आवेदन करने वालों को परीक्षा के लिए शार्टलिस्ट करता है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग चाहता था कि दो साल के स्थान पर इसे तीन साल कर दिया जाए। इसके आधार पर कार्मिक विभाग को प्रस्ताव भेजते हुए अनुरोध किया गया था। कार्मिक विभाग ने इसे मंजूरी दे दी है। इसके आधार पर एक बार पीईटी में शामिल होने वाले तीन सालों तक भर्तियों के लिए आवेदन कर सकेंगे।

पहलगाम नरसंहार में मृतकों को स्कूली बच्चों ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। आशियाना के शारदा नगर योजना रुचि खंड में स्थित विजडम वैली कान्वेंट स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों ने गुरुवार को नम आँखों से पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि दी। बच्चों ने कैंडल जलाकर 2 मिनट का मौन रखा और गायत्री मंत्र का उच्चारण कर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। वहीं स्कूल के बच्चों ने अध्यापिकाओं संग पहलगाम नरसंहार को लेकर क्षेत्र में पैदल मार्च कर पहलगाम आतंकी घटना का विरोध किया। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्कूल केचेयरमैन अरविंद त्रिपाठी उर्फगुड्डू डायरेक्टर मृणालिनी त्रिपाठी स्कूल की को.फाउंडर अदिति त्रिपाठी मैनेजर सिद्धार्थ दीक्षित प्रिंसिपल प्रमिला इमैसी चीफ कोऑर्डिनेटर संजू मिश्रा एकेडमिक काउंसलर अमिता यादव सहित स्कूल की सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

वसुन्धरा रियल एस्टेट कम्पनी के खिलाफ 2.84 करोड़ की ठगी का मुकदमा दर्ज

लखनऊ। रियल एस्टेट कंपनी वसुंधरा लोटस के सीएमडी के खिलाफ12 लोगों से 2.84 करोड़ रुपये की ठगी का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि प्लॉट दिलाने के नाम पर लाखों रुपये लिए लेकिन न रजिस्ट्री हुई और न ही पैसे लौटायेमूलरूप से गाजीपुर के भवरपुर निवासी दिवाकर नाथ राय के मुताबिक वर्ष 2018 में प्लॉट खरीदने के लिए हजरतगंज के अशोक मार्ग स्थित वसुंधरा लोटस इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड में संपर्क किया था। सीएमडी सुधीर सिंह और अन्य लोगों से हुई बातचीत में प्लॉट की कीमत 6.56 लाख रुपये बताई गई थी। पीड़ित ने प्लॉट बुक कर 25 प्रतिशत एडवांस 164062 रुपये चेक से दिए थे। कंपनी ने 30 माह बाद रजिस्ट्री करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने किस्तों में 2.93 लाख रुपये जमा किए थे। तय समय बाद संपर्क करने पर सुधीर ने टाल मटोल शुरू कर दी। रुपये वापस मांगे तो आनाकानी की गई।

संग्रहालय में नौसेना युद्धपोतों, पनडुब्बियों मिसाइल तारपीडो का होगा प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ में इकाना स्टेडियम के नजदीक भारतीय नौसेना के पराक्रम और गौरव को समर्पित एक भव्य 'शौर्य संग्रहालय' की स्थापना की जा रही है। इस संग्रहालय का उद्देश्य भारतीय नौसेना के साहस, ऐतिहासिक उपलब्धियों और वीरगाथा को आम जनता विशेषकर युवाओं तक पहुंचाना है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'लखनऊ में धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की एक लम्बी श्रृंखला है। इकाना स्टेडियम के नजदीक बनाया जा रहा नौसेना का यह संग्रहालय इसी कड़ी का महत्वपूर्ण गन्तव्य स्थल होगा। संग्रहालय में मल्टीमीडिया डिस्प्ले, विवरण एवं घटना की जानकारी कहानियों के माध्यम से पर्यटकों को दी जायेगी। संग्रहालय में नौसेना से रिटायर्ड युद्धपोत, आईएनएस गोमती में स्थापित समस्त उपकरणों के अलावा नौसेना के सी-किंग हेलीकॉप्टर, सी-हैरियर वायुयान को प्रदर्शित किया जायेगा। आगंतुक नौसेना के शौर्य और उसके इतिहास को करीब से देख-समझ सकेंगे। नौसेना शौर्य संग्रहालय में रिटायर्ड युद्धपोत, उससे संबंधित उपकरण मिसाइल, टारपीडो, कैनन तथा अन्य सामानों का प्रदर्शन किया जाएगा। संग्रहालय नौसेना से संबंधित देश का पहला संग्रहालय होगा, जहां युद्ध पोतों एवं जलयानों का संग्रह होगा। नौसेना से जुड़े अन्य उपकरणों को भी प्रदर्शित किया जायेगा। नौसेना के क्षेत्र में शोध में प्रयास कारगर सिद्ध होगा। इस पहल के तहत छात्रों, शोधकर्ताओं और इतिहासकारों को नौसेना इतिहास से जुड़ी दुर्लभ सामग्रियों और दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान की जाएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और भारतीय नौसेना के संयुक प्रयास से बनने वाला यह संग्रहालय आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा। यहां आगंतुकों को नौसेना के शौर्य अभियानों, युद्धपोतों, पनडुब्बियों और नौसैनिक जीवन की झलकियां देखने को मिलेंगी।

कंसल्टेंट की बढ़ी मुश्किलें,नियामक आयोग ने निरस्त की बैठक

लखनऊ। दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण का मसौदा तैयार करने को नियुक्त कंसल्टेंट ग्रांट थॉर्टन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पावर कारपोरेशन के अनुरोध पर कंसल्टेंट की नियामक आयोग के साथ बैठक कराने के प्रयास सफल नहीं हो पाये हैं। शुक्रवार को प्रस्तावित यह बैठक अब नहीं होगी। उपभोक्ता परिषद ने इस मामले पर नियामक आयोग में आपत्ति दाखिल की थी। परिषद ने दागी कंसल्टेंट कंपनी को ब्लैक लिस्टेड करने की मांग की है। दरअसल निजीकरण का मसौदा तैयार करने के लिए रखी गई कंपनी पर झूठा शपथपत्र देने के मामले का खुलासा बीते दिनों हुआ था। उपभोक्ता परिषद ने इस मामले को उठाते हुए कहा था कि ग्रांट थॉर्टन पर पिछले साल अमेरिका में चार हजार डॉलर का जुर्माना लगा था। जबकि कंपनी ने कंसल्टेंट बनने के लिए दिए गए शपथपत्र में ऐसे किसी तथ्य की जानकारी नहीं दी थी। अब इस मामले को टेंडर मूल्यांकन समिति के समक्ष रखा जाना था। मगर इससे पहले कंपनी की बैठक नियामक आयोग के साथ कराने के प्रयास हो रहे थे। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने गुरुवार को आयोग के सदस्य संजय कुमार सिंह से मिलकर फिर पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाये।

हजरतगंज में लगा जाम, रेंगते रहे वाहन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर गुरुवार को दिनभर कई जगहों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। डायवर्सन के चलते लोग कंफ्यूज हो गए। इसके चलते लोगों को आवाजाही करने में परेशानी हुई। इस दौरान हजरतगंज कपूरथला और इंजीनियरिंग चौराहे पर जाम लग गया। जाम की लंबी कतार के बीच स्कूली बच्चे भी फस गए। हजरतगंज स्थित क्राइस्ट चर्च स्कूल के बाहर छुट्टी के समय भारी जाम लग गया। स्कूल के छात्रों और अभिभावकों की भीड़ के कारण पार्क रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जिससे यातायात प्रभावित हुआ। लखनऊ में उप-राष्ट्रपति राजपाल की बुक के मोचन के मौके पर आए है। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव करते हुए कई जगह डायवर्सन किया है।

बिना पंजीकरण चल रहे छह अस्पतालों पर सीएमओ टीम का छापा

तीन अस्पताल संचालक ताला डालकर भागे, नोटिस जारी

लखनऊ। काकोरी में बिना पंजीकरण चल रहे छह अस्पतालों पर सीएमओ की टीम ने छापेमारी की। जिससे हड़कंप मच गया। टीम को देखकर तीन अस्पताल संचालक अस्पताल में ताला डालकर भाग गये। टीम ने इन अस्पतालों को नोटिस जारी करके जवाब-तलब किया है। सीएमओ का काकोरी में छह अस्पताल बिना पंजीकरण संचालित होने की शिकायत मिली थी। जिस पर सीएमओ कार्यालय से डिप्टी सीएमओ डॉ. संदीप सिंह के नेतृत्व में छह अस्पतालों पर छापेमारी के लिये टीम बनी। छापेमारी के दौरान टीम को सतीश पॉली क्लीनिक में चार बेड पर मरीज भर्ती मिले पर कोई भी डॉक्टर नहीं मिला। यहां फार्मासिस्ट सतीश मरीजों का इलाज कर रहा था। टीम ने जब अस्पताल का पंजीकरण,फायर, पालुशन और बायोमेडिकल वेस्ट की एनओसी मांगी तो संचालक नहीं दिखा सका। टीम ने अस्पताल को नोटिस जारी करके जवाब-तलब किया है। इसी बीच छापेमारी की सूचना मिलने पर आरोही, हेल्थ हॉस्पिटल व राहत क्लीनिक के संचालक अस्पताल बंद करके भाग गये। टीम ने अस्पताल पर नोटिस चस्पा करके तीन दिन में जवाब मांगा है। इसके अलावा नैना हॉस्पिटल, प्रयाग हॉस्पिटल में जांच के दौरान खामियां मिलने पर नोटिस जारी की गयी। इन अस्पतालों के पास पंजीकरण नहीं था। यह अस्पताल फायर, बायोमेडिकल वेस्ट और पालुशन विभाग की एनओसी नहीं दिखा सके। इन सभी को तीन दिन में अपने कागजात दिखाने को बुलाया है।

आशियाना व बीबीडी इलाके में मिले युवकों के शव

लखनऊ। आशियाना स्थित बुद्ध पार्क के पास गुरुवार को फुटपाथ पर एक 35 वर्षीय युवक का शव मिला। वहींए बीबीडी स्थित इंदिरानहर में एक 40 वर्षीय युवक का शव मिला। दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। इंस्पेक्टर आशियाना के मुताबिक शव की पहचान नहीं हो सकी। शरीर पर नीले रंग का लोवर और पीले रंग की टीशर्ट हैं। वहींए इंस्पेक्टर बीबीडी के मुताबिक इंदिरानहर रेगुलेटर के पास एक युवक का शव मिलने की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने शव को बाहर निकला।

मई में विवाह के 15 शुभ मुहूर्त, खूब बजेगी शहनाई

लखनऊ। हिंदू धर्म में कोई भी शुभ कार्य मुहूर्त को देखते हुए ही किया जाता है। इसीलिए किसी भी मांगलिक कार्य को करने से पहले उनका शुभ मुहूर्त जानना बेहद जरूरी हो जाता है। खासतौर पर शादी-ब्याह को लेकर इसकी महत्ता और भी बढ़ जीता ही। विवाह हमारे शास्त्रों में वर्णित 16 संस्कारों का हिस्सा है।

इसके लिए मुहूर्त का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसका असर हमारे जीवन के साथ-साथ उस कार्य पर भी पड़ता है।13 अप्रैल 2025 को खरमास की समाप्ति के साथ ही शादी-विवाह का शुभ समय शुरू हो चुका है। तब से लेकर अब तक कई घरों में मांगलिक कार्यों की रौनक देखी जा रही है। अप्रैल धीरे-धीरे विदा लेने को है और अब सबकी नजरें मई महीने पर टिकी हैं, जब विवाह के लिए एक से बढ़कर एक शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। अगर आप या आपके परिवार में किसी की शादी की योजना है, तो जानिए मई 2025 में कौन-कौन से दिन विवाह के लिए अत्यंत शुभ माने जा रहे हैं। मई का महीना हमेशा से ही शादी-ब्याह के लिहाज से खास माना जाता है, क्योंकि इस दौरान मौसम भी अनुकूल रहता है। पंडितों द्वारा सुझाए गए कई श्रेष्ठ मुहूर्त इसी महीने में आते हैं। ऐसे में विवाह के इच्छुक परिवारों के पास कई विकल्प मौजूद होते हैं, जिससे वे अपनी सुविधा और तैयारी के अनुसार एक तारीख चुन सकते हैं। ग्रह-नक्षत्रों की शुभ स्थिति इस महीने को और भी पवित्र और मंगलकारी बना देती है। ऐसे में यह समय विवाह जैसे पवित्र बंधन के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। मई में विवाह के लिए शुभ मुहूर्त विवाह के लिए मई का महीना बेहद शुभ माना जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार यह इस दौरान वैशाख-ज्येष्ठ माह रहता है। अगर आप भी मई के महीने में शादी करने की सोच रहे हैं, तो इस महीने की शुभ तिथियां 1, 5, 6, 8, 10,14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 24, 27 और 28 मई हैं।

कार व ई-रिक्शा में आमने-सामने टक्कर, चार घायल

लखनऊ। कैसरबाग इलाके में जयहिन्द चौराहे पर आज तेज रफ्तार तथा ई-रिक्शा में आमने-सामने टक्कर हो गयी। इसमें दोनों वाहनों पर सवार चार लोग घायल हुए है, जिन्हें इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में ग्यारहवीं कक्षा की एक छात्रा भी शामिल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने छुट्टी दे दी गयी है। दुर्घटना करने वाले कार चालक को पकड लिया गया है। पुलिस वाहनों को कब्जे में लेकर जांच कर रही है इस हादसे में एम्मा थाम्सन स्कूल की ग्यारहवीं की छात्रा, ई रिक्शा चालक मोहम्मद आसिफ उर्फ चीना व मदेयगंज निवासी निशा घायल हुई है। छात्रा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी है। दुर्घटना करने वाले कार चालक विजय कुमार निवासी जानकीपुरम को गिरफ्तार किया गया है।

अब एटीएम से पैसे निकालने पर देने पड़ेंगे 23 रूपये

लखनऊ। बैंक ग्राहकों के लिए एटीएम से पैसे निकालना बृहस्पतिवार से महंगा हो गया है। अब बैंक महीने में मुफ्त निकासी सीमा खत्म होने पर ग्राहकों से प्रति नकद निकासी पर 23 रुपये शुल्क वसूल सकते हैं। इससे पहले बैंकों को मुफ्त निकासी सीमा से अधिक लेनदेन पर 21 रुपये तक शुल्क लेने की अनुमति थी। एटीएम से निर्धारित सीमा से अधिक निकासी पर लगने वाले शुल्क से संबंधित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देश बृहस्पतिवार से लागू हो गए हैं। ग्राहक अपने बैंक के ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) से हर महीने पांच मुफ्त लेनदेन (वित्तीय एवं गैर-वित्तीय लेनदेन समेत) के लिए पात्र हैं। ग्राहक अन्य बैंकों के एटीएम से भी सीमित संख्या में मुफ्त लेनदेन के लिए पात्र हैं। महानगरों में वे तीन निःशुल्क

लेनदेन और अन्य स्थानों पर पांच निःशुल्क लेनदेन कर सकते हैं। इससे अधिक लेनदेन करने पर बैंक शुल्क वसूलते हैं। आरबीआई ने 28 मार्च को एटीएम निकासी पर शुल्क से संबंधित एक परिपत्र जारी किया था। आरबीआई ने कहा था, मुफ्त लेनदेन के अलावा ग्राहक से प्रति लेनदेन अधिकतम 23 रुपये का शुल्क लिया जा सकता है। यह एक मई 2025 से प्रभावी होगा। आरबीआई ने एटीएम लेनदेन के लिए इंटरचेंज शुल्क संरचना पर भी निर्देश जारी किए हैं। परिपत्र में कहा गया है कि एटीएम इंटरचेंज शुल्क को एटीएम नेटवर्क तय करेगा। सभी केंद्रों में वित्तीय लेनदेन के लिए वर्तमान इंटरचेंज शुल्क प्रति लेनदेन 17 रुपये और गैर-वित्तीय लेनदेन के लिए छह रुपये है।

आत्मबल और परिश्रम से आता है सामाजिक परिवर्तन-आनंदीबेन पटेल

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन गुरुवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने जीवन संघर्षों की व्यापक चर्चा करते हुए कहा कि यह पुस्तक आत्मबल, परिश्रम और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायक गाथा है जो नारी शक्ति, सामाजिक बदलाव और आत्मनिर्भरता का जीवंत दस्तावेज है।राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को स्मरणीय बना दिया।

नवपीढ़ी के लिये पुस्तक मार्गदर्शक ग्रन्थ-योगी

लखनऊ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संघर्षों और प्रेरणादायक जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन किया। गुरुवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के संघर्षमय जीवन की शून्य से शिखर तक की प्रेरणादायक यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यह पुस्तक नवपीढ़ी के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ की तरह है।सीएम योगी ने कहा कि गुजरात के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सबसे बड़े राज्य की राज्यपाल बनने तक की यात्रा आसान नहीं थी। यह पुस्तक बताती है कि जब कोई महिला समाजिक बंधनों, संसाधनों की कमी और परिस्थितियों की चुनौतियों के बावजूद दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ती है तो वह समाज के लिए एक प्रेरणा बन जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं बल्कि जीवन के हर उस पहलू को उजागर करती है जो संघर्षों के बाद सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी कहती है।

उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी स्वयं आयुर्वेदाचार्य हैं और अपने साथ-साथ दूसरों का उपचार भी करती हैं। यह अपने आप में महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक संत और मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ कठिन परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश को नई दिशा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पुस्तक के विमोचन के दिन का चयन विशेष रूप से मजदूर दिवस को ध्यान में रखकर किया गया। राज्यपाल ने कहा कि निर्माण कार्यों में लगे मजदूर कम पढ़े-लिखे नहीं होते हैं, लेकिन वे सटीक डिजाइन को समझकर सड़क, पुल और भवन जैसे भव्य निर्माण करते हैं। उनकी मेहनत को सम्मान देने के लिए यह दिन चुना गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण में लगे मजदूरों के चरण पूजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महाकुंभ के निर्माण में लगे श्रमिकों के सम्मान का भी उल्लेख करते हुए कहा कि मजदूर भाइयों का सम्मान महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

लखनऊ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को एक दिवसीय संक्षिप्त दौरे में गुरुवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे जहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। धनखड़ आज पूर्वान्ह एयरफोर्स स्टेशन, बक्शी का तलाब (बीकेटी) पहुंचे। राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुके देकर उपराष्ट्रपति की अगवानी की। उपराष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये गये हैं।

राममंदिर के 6 दरवाजों पर मढ़ा जा रहा 18 किलो सोना

लखनऊ/अयोध्या। राम मंदिर के दरवाजों पर फिर सोना लगाए जाने की शुरुआत हो गई है। अब फर्स्ट फ्लोर के 6 दरवाजों पर 18 केजी सोना लगाया जा रहा है। हर दरवाजे पर 3 किलो सोना लगाया जाएगा। मुख्य कलश और राम दरबार के सिंहासन पर भी सोना लगाया जाएगा। इस पर 3 से 4ाह सोना मढ़ा जाएगा। करीब एक साल पहले राम मंदिर के ग्राउंड फ्लोर के 14 दरवाजों पर सोना लगाया गया था। हर दरवाजे पर करीब 3 किलो सोना लगा। जून में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, ट्रस्ट 3 दिन तक उत्सव मनाने की तैयारी कर रहा है। इसमें क्या होगा? इसका शेड्यूल ट्रस्ट ने जारी नहीं किया है। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की प्रतिमाएं आ चुकी हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि राम और सीता सिंहासन पर विराजमान होंगे। लक्ष्मण और शत्रुघ्न पंखा डोलाते हुए दिखेंगे। हनुमानजी और भरत की प्रतिमाएं चरणों में बैठे हुए होंगी। इन मूर्तियों को जयपुर में शिल्पकार सत्यनारायण पांडे ने तैयार किया है। इनको बनाने में सफेद संगमरमर का इस्तेमाल हुआ है। जबकि परकोटे में 6 मंदिर बन रहे हैं। इनमें भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित होंगी। जून में प्राण-प्रतिष्ठा के लिए तिथि तय की जा रही है। राम मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर कुल 6 दरवाजे लगाए जा रहे हैं। इसे महाराष्ट्र के चंद्रपुर से लाई गई सागौन लकड़ी से बनाया गया है। इस पर पहले तांबा की परत चढ़ाई गई। अब सोने की परत लगाई गई है। इन दरवाजों पर दो हाथी कमल के पुष्प पर जल की वर्षा करते दिख रहे हैं। दरवाजे के दोनों ओर जय विजय के प्रतीक बने हुए हैं।गुरुवार को फर्स्ट फ्लोर पर दरवाजे लगाने की शुरुआत की गई। राम मंदिर के 4 फीट के कलश पर सोना लगाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। अगले 3 दिनों में यह काम पूरा कर लिया जाएगा। जबकि परकोटा के मंदिरों में चार शिखर कलश लग चुके हैं। डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि 15 मई 2025 तक पूरे मंदिर परिसर का निर्माण कार्य और मूर्तियों की स्थापना पूरी कर ली जाएगी।

प्रधानमंत्री के निर्णय का राजभर ने किया स्वागत

लखनऊ। सुभासपा के महासचिव अरूण राजभर ने केन्द्र सरकार के जातीय जनगणना कराने के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय से पिछड़े वर्ग के लोगों में भरोसा बढ़ा है। श्री राजभर ने कहा कि विपक्षी दल सिर्फ पिछड़ों के हिमायती होने का ढोंग रचते हैं किन्तु सत्ता में आने पर पिछड़ों-दलितों के हितों को भूलकर अपने निजी एजेण्डे पर काम करते हैं,उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का यह फैसला ऐतिहासिक है। गुरूवार को पंचायती राजमंत्री ओपी राजभर ने देश के गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हे बधाई दी। ओपी राजभर ने कहा कि पिछड़े वर्ग के लिये लम्बे समय से चली आ रही लड़ाई को भाजपा नेतृत्व ने सोच समझकर निर्णय लिया। उन्होने गृहमंत्री अमित शाह के प्रति आभार भी जताया।

प्रशिक्षण पर जोर

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभाग,संस्थाओ के विभाग व रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है।

यूपी के डीजीपी सहित कई आईपीएस अफसर इसी माह होंगे सेवानिवृत्त

आशुतोष पाण्डेय सहित कई आईपीएस अफसरों को मिलेगा प्रमोशन

लखनऊ। मई माह 2025 पुलिस विभाग के लिए हालचलो दे भरा रहने वाला है।यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार सहित कई आईपीएस अफसर जहाँ सेवानिवृत होंगे। वही कइयों का प्रमोशन भी होगा।हलांकि डीजीपी प्रशांत कुमार के सेवा निवृत होनें के बाद प्रदेश का अगला डीजीपी कौन होगा लोग इसको लेकर अभी से कयास लगा रहे है। हलांकि प्रशांत कुमार सीएम योगी आदित्यनाथ के भरोसेमंद अफसरों में से एक हैं। उनका ट्रैक रिकॉर्ड भी बेहतर है। स्थायी डीजीपी की रेस में कई अधिकारियों के नाम शामिल हैं। लेकिन अभी तक केवल कयास ही लग रहे है। यूपी के पुलिस विभाग में मई माह कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रिटायर हो रहे हैं। वही कुछ अफसरों को प्रमोशन देकर उच्च पदों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। डीजी से लेकर आईजी और डीआईजी स्तर तक बड़े बदलाव होनें है। इनकी लंबी फेहरिस्त तैयार हों चुकी है।यदि रिटायरमेंट की बात करें तो सबसे पहले डीजी कारागार पीवी रमाशास्त्री इस माह सेवानिवृत्त हो रहे हैं।इसके अलावा डीजी टेलीकॉम संजय एम तारडे और यूपी के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार भी इसी माह रिटायर होंगे।इसके अलावा आईजी पीटीएस मेरठ भारती सिंह, डीआईजी महिला एवं बाल सुरक्षा किरण यादव, डीआईजी विजिलेंस डॉ. अरविंद चतुर्वेदी, और डीआईजी कार्मिक तेजस्वरूप सिंह की सेवाएं भी इस माह पूरी हो रही हैं। इनमें अधिकतर अधिकारी स्टेट पुलिस सर्विस से आईपीएस में प्रमोट हुए थे। दूसरी ओर, प्रमोशन की सूची में भी कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। ईओडब्ल्यू के एडीजी आशुतोष पांडेय को प्रमोट कर डीजी बनाया जाएगा। पीएचक्यू में तैनात एडीजी आनंद स्वरूप और 112 सेवा की एडीजी नीरा रावत को भी डीजी रैंक पर प्रमोशन मिलने जा रहा है।हालांकि संभावना यह भी जताई जा रही है कि अगर आनंद स्वरूप डेपुटेशन पर बाहर जाते हैं, तो 1993 बैच के आईपीएस एसबी शेरोड़कर को प्रमोशन का मौका मिल सकता है। इन बदलावों से पुलिस महकमे में नई जिम्मेदारियां तय होगी और प्रशासनिक समीकरणों में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।मई माह में सेवानिवृति और प्रमोशन के बीच यूपी का नया डीजीपी भी तय होगा। हलांकि अभी यह तय नही हों सका है कि यूपी का अगला डीजीपी कौन होगा। लेकिन अभी से डीजीपी बनने के लिए अफसरों नें गुणा गणित लगाना शुरू कर दिया है।फिलहाल डीजीपी प्रशांत कुमार की सेवानिवृति के बाद ही नया डीजीपी तय होगा।

क्षतिग्रस्त फसलों और जनहानि का 24 घंटे में दिया जाये मुआवजा-योगी

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 4 की मौत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेमौसम बारिश, आंधी, तूफान और आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि का मुआवजा 24 घंटे के भीतर देने के निर्देश दिये हैं। साथ ही सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर क्षतिगस्त फसलों का सर्वे कर 24 घंटे में मुआवजा देने के भी निर्देश दिये हैं ताकि प्रभावितों को राहत प्रदान की जा सके। उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में अचानक मौसम ने करवट ली। इससे गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों तेज आंधी, तूफान, बारिश के साथ आकाशीय बिजली भी गिरी। ऐसे में सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर जनहानि का सर्वे करने के निर्देश दिये। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि 1 मई को सुबह 8 बजे अचानक पूर्वांचल के जिलों में मौसम ने करवट ली। इस दौरान गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों में तेज आंधी, तूफान, बारिश और आकाशीय बिजली गिरी। इससे यहां के किसानों की फसलों को नुकसान होने के साथ जनहानि भी हुई। उन्होंने बताया कि गोरखपुर और बस्ती में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 4 लोगों की मृत्यु हो गयी। इसमें गोरखपुर के 13 वर्षीय सौरभ और 52 वर्षीय सुशील देवी शामिल हैं। इसी तरह बस्ती में 60 वर्षीय राम चरण और 55 वर्षीय चंद्रावती की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मृत्यु हो गयी। सीएम योगी ने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को सहायता राशि देने के निर्देश दिये हैं। राहत आयुक्त ने बताया कि 24 घंटे में पीड़ित परिवार को सहायता धनराशि प्रदान कर दी जाएगी। उधर, सीएम योगी के निर्देश पर अचानक खराब मौसम से क्षतिगस्त फसलों के सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। पीड़ित किसानों को 24 घंटे में क्षतिगस्त फसलों का मुआवजा प्रदान कर दिया जाएगा।

अंबेडकर का अपमान करना सपा के डीएनए में-बेबी रानी

लखनऊ।महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने समाजवादी पार्टी द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने पर अखिलेश यादव को आड़े हाथ लिया है। यह विवाद सपा के एक होर्डिंग में बाबा साहब की आधी तस्वीर काटकर उस स्थान पर अखिलेश यादव की तस्वीर लगाए जाने के बाद शुरू हुआ है। मौर्य ने इस कृत्य को बेहद शर्मनाक और बाबा साहब व उनके अनुयायियों का अपमान करार दिया है। मौर्य ने कहा कि अंबेडकर का अपमान करना सपा के डीएनए में है। ये गलती नहीं है। उन्होंने पूर्व सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के उस विवादित बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने बलात्कार की घटना को बच्चों द्वारा की गई गलती% बताया था और कहा था कि %लड़के हैं, लड़कों से गलतियां हो जाती हैं। उन्होंने हालिया विवाद को लेकर कहा कि अखिलेश यादव बार-बार सोची-समझी साजिश के तहत बाबा साहब का अपमान कर रहे हैं। अब ये जानबूझकर इसे गलती बताकर बचने का बहाना ढूंढ रहे हैं। सच्चाई यह है कि सपा की मानसिकता ही दूषित है, देश की जनता इन्हे कभी स्वीकार नहीं करेगी।

ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने पर अधीक्षण व अधिशाषी अभियंता निलम्बित

चेयरमैन ने ट्रांसमिशन कारपोरेशन के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

लखनऊ। यूपीपीसीएल के चेयरमैन डॉ.आशीष कुमार गोयल ने ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने और अनुरक्षण कार्यो में लापरवाही पर बरेली ट्रांसमिशन के अधीक्षण अभियंता एवं अधिशाषी अभियंता को निलम्बित करने तथा मुख्य अभियंता को चार्जशीट देने का निर्देश दिया है। चेयरमैन ने यह निर्देश गुरुवार को ट्रांसमिशन कारपोरेशन के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिये। शक्ति भवन में हुई इस बैठक में बरेली के नवाबगंज में 40 एमवीए के दो ट्रांसफार्मरों के क्षतिग्रस्त होने पर कारपोरेशन अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जतायी। उन्होंने बरेली ट्रांसमिशन-।। के अधिशाषी अभियंता व अधीक्षण अभियंता को निलंबित करने का आदेश दिया। इससके साथ ही ट्रांसमिशन के मुख्य अभियंता को चार्जशीट देने का निर्णय हुआ। पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन की समीक्षा करते हुये अध्यक्ष ने कहा कि जहां भी ट्रांसमिशन के उपकेन्द्र बन गये हैं, उनके सुचारू उपयोग के लिये सभी आवश्यक कार्य कर ली जायें। गर्मियों में पारेषण व्यवस्था के कारण बिजली बाधित न हो। चेयरमैन ने कहा कि पारेषण के सभी कार्य निर्धारित समय में हों, यह भी सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त न हों, इसके लिये पूरी सावधानी रखें। अनुरक्षण कार्य करायें। इसमें लापरवाही पर कार्यवाही होगी। उन्होने कहा कि ट्रांसमिशन और वितरण के अधिकारी आपसी समन्वय रखें। इससे विद्युत आपूर्ति बेहतर रहेगी। समीक्षा बैठक में प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन रूपेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सर्वेक्षण की अवधि बढ़ी

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत पात्र परिवारों के सर्वेक्षण की समय-सीमा 15 दिन और बढ़ा दी गयी है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को पक्का मकान देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के लिए सर्वे का काम तेजी से चल रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पीएम आवास योजना-ग्रामीण के नये सर्वे का उद्देश्य योजना के हर पात्र परिवारों को पक्के मकान मुहैया कराना है,इसके लिए सरकारी कर्मचारी घर घर जाकर सर्वे का काम कर रहे है. इसमें अच्छी बात यह है कि पीएम आवास के लिए खुद भी अपने मोबाइल से पात्र व्यक्ति अप्लाई कर सकते हैं। सर्वेक्षण हेतु निर्धारित समय सीमा को15 दिन और बढ़ा दिया गया है।

जातीय जनगणना, भाजपा का मास्टर स्ट्रोक-केशव

लखनऊ। मोदी सरकार ने देश में जातीय जनगणना का ऐलान किया है,जिसे मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। कई लोग इस तरह के सवाल भी उठा रहे हैं कि क्या हिन्दू और सनातन की बात करने वाली बीजेपी अब जाति की राजनीति पर आगे बढ़ रही है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का बयान सामने आया है, जिससे साफ है कि भारतीय जनता पार्टी ने जाति जनगणना के बावजूद धर्म के मुद्दे पर पीछे हटने वाली नहीं हैं।केशव प्रसाद मौर्य ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जातीय जनगणना के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने राम और रोटी के बीच सेतु बनाकर सियासत कर सारे समीकरण बदल दिए हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस अपनी सरकार में जातीय जनगणना करवा सकती थी लेकिन तब राहुल गांधी के पास घूमने के अलावा कोई काम नहीं होता था। डिप्टी सीएम ने लिखा, दशकों तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस के शाही परिवार के पास एक दशक पहले तक डॉ. मनमोहन सरकार का रिमोट कंट्रोल हाथ में था और वह जातिगत जनगणना कराकर उपेक्षित पिछड़ों के साथ न्याय कर सकता था लेकिन तब राहुल गांधी दुनिया भर में घूमने के अलावा और कोई काम नहीं करते थे। प्रधानमंत्री बनने से पहले जब नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव 2014 के पहले हुंकार भरी कि उनका ताल्लुक पिछड़ा वर्ग से है और फिर प्रधानमंत्री बनकर उन्होंने राम और रोटी के बीच सेतु बनकर देश की राजनीति के तमाम समीकरणों को बदल कर रख दिया, तब कांग्रेस की तंद्रा टूटी और रात-दिन पिछड़ा-पिछड़ा का राग अलापने लगी।

प्रदेश सपा कार्यालय में प्रेस वार्ता में बोलते राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व उनके समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते लोग।

बाबा साहेब के अपमान पर एससी-एसटी कराएगा एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत गुरुवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर खूब बरसे। वहीं आयोग ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया और लखनऊ के पुलिस आयुक्त को दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करने को कहा। गौरतलब है कि समाजवादी लोहिया वाहिनी के पोस्टर (जिसमें भारत रत्न डॉ0 बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी) के चित्र को खंडित करते हुये उसके आधे भाग पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चित्र को प्रदर्शित किया गया है।

गंगा एक्सप्रेस वे पर दिखेगी वायुसेना की ताकत

राफेल से लेकर जगुआर और मिराज आज करेंगे लैंडिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पर भारतीय वायुसेना ऐतिहासिक ट्रायल करने जा रही है। शुक्रवार को शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर बने 3.5 किमी. लंबे एयर स्ट्रिप पर एयरफोर्स अपनी ताकत दिखाएगी। इस मिशन में वायुसेना के सबसे एडवांस फाइटर और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट्स को टेकऑफ और लैंड कराया जाएगा। इसमें राफेल से लेकर जगुआर और मिराज जैसे लड़ाकू विमान शामिल होंगे। इस एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ही शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर तैयार 3.50 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाई पट्टी का निरीक्षण किया था। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन-रात लैंडिंग कर सकेंगे। फाइटर प्लेन यहां पूर्वाभ्यास भी कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

एयर शो को देखते हुए इंडियन एयरफोर्स ने हवाई पट्टी को अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया है। एयरफोर्स के जवान और यूपीडा से जुड़े अधिकारी इस एयर शो के संचालन में जुटे हैं। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एयर शो का आयोजन दिन और रात दोनों समय किया जाएगा, ताकि एयर स्ट्रिप की नाइट लैंडिंग कैपेबिलिटी का भी टेस्ट किया जा सके। शो के दौरान फाइटर जेट्स टेस्टिंग के लिए एयर स्ट्रिप पर एक मीटर ऊंचाई पर उड़ान भरेंगे।

इसके बाद फाइटर जेट्स एयर स्ट्रिप पर लैंड करेंगे और फिर टेकऑफ भी करेंगे। इसके बाद शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक फिर यही एक्सरसाइज की जाएगी। सभी फाइटर जेट्स बरेली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरेंगे। इस दौरान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस राठौर समेत जनप्रतिनिधिगण और एयरफोर्स के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

जातीय जनगणना का फैसला नब्बे फीसदी पीडीए की एकजुटता की सौ फीसदी जीत

सपा में शामिल हुये कई दलों के लोग

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की नीतियों में आस्था एवं विश्वास व्यक्त करते हुये आज भाजपा, बसपा, कांग्रेस बलोकदल समेत कई दलों के प्रमुख लोगों ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वालों में बदरूद्दीन खान वरिष्ठ अधिकारी सेवानिवृत्त, युवा लोकदल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वसीम राजा, बसपा के महेन्द्र सिंह वर्मा, कमलेश श्रीवास, राजा राम वर्मा, संतोष तिवारी, कृष्णानंद पाण्डेय, रोहित अवस्थी, हर्ष सोनकर, आर्यन सोनकर, आजाद अली, रीना गुप्ता, सुमित्रा विश्वकर्मा, शिवानी अवस्थी, ननकई अवस्थी, राज सोनकर व विपिन कांत रहे।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जातीय जनगणना का फैसला बाबा साहब के संविधान में दिये गये न्याय की समानता और नब्बे फीसदी पीडीए की एकजुटता की सौ फीसदी जीत है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान में सभी को न्याय और समानता का अधिकार दिया है। हम सबके सम्मिलित दबाव से भाजपा सरकार मजबूरन ये निर्णय लेने को बाध्य हुई है। केंद्र सरकार को पीडीए के दबाव में फैसला लेना पड़ा। सामाजिक न्याय की लड़ाई में ये पीडीए की जीत का एक अतिमहत्वपूर्ण चरण है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को ये चेतावनी है कि अपनी चुनावी धांधली को जाति जनगणना से दूर रखे। एक ईमानदार जनगणना ही हर जाति को अपनी-अपनी जनसंख्या के अनुपात में अपना वो अधिकार और हक़ दिलवाएगी, जिस पर अब तक वर्चस्ववादी फन मारकर बैठे थे। यह बातें उन्होने गुरूवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता को सम्बोधित करते हुये व्यक्त की। श्री यादव ने कहा कि ये अधिकारों के सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला चरण है और भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अंतिम। भाजपा की प्रभुत्ववादी सोच का अंत होकर ही रहेगा। संविधान के आगे मनविधान लंबे समय तक चल भी नहीं सकता है। जातीय जनगणना इंडिया की जीत है। उन्होने कहा कि समाजवादियों ने जातीय जनगणना के मुद्दे को हमेशा बहुत जिम्मेदारी से उठाया। समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाले तमाम समाजवादी नेताओं ने जातीय जनगणना के लिए बहुत लंबी लड़ाई लड़ी। नेताजी श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और लालू प्रसाद यादव ने जातीय जनगणना के मुद्दे को लगातार लोकसभा में उठायाए लड़ाई लड़ी। एक समय था जब दक्षिण भारत से लेकर यहां तक की सभी पार्टियां जातीय जनगणना को लेकर एक हो गई थी। उन्होंने कहा कि यह लंबे संघर्षों की बड़ी जीत है। यह अभी शुरुआत है। इसके आगे प्राइवेट और सरकारी संस्थाओं की नौकरियों और रोजगार में आरक्षण समेत अन्य मुद्दों पर बहस छिड़ेगी। यह सामाजिक न्याय की राज की स्थापना की दिशा में एक कदम है। उन्होने कहा कि भाजपा का रिकॉर्ड धांधली करने का रहा है। चुनाव में भाजपा की धांधली सभी ने देखी है। श्री यादव ने कहा कि आज श्रमिक दिवस पर देश दुनिया के सभी मजदूरों को बधाई। उन्होंने कहा कि भारत ने श्रमिकों की सुरक्षा का विषय सामाजिक आर्थिक और मानसिक कई स्तरों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। आज श्रमिकों की परम्परागत परिभाषा बहुत व्यापक हो गयी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5-14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ- 226001 से मुद्रित तथा 486/238-डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ-226020 से प्रकाशित।
सम्पादक- शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।